

**स्वराभरण** पुं. (तत्.) संगीत विधा में कर्नाटक शैली का एक राग।

**स्वरालाप** पुं. (तत्.) संगीत में स्वरों को ऊँचे-नीचे, लयदार और सुंदर बनाकर उच्चारण करने की क्रिया या भाव स्त्री. संगीत में कर्नाटक पद्धति की एक रागिनी।

**स्वराष्टक** पुं. (तत्.) संगी. बंगाली, भैरव, गांधार, पंचम और गुर्जरी के मेल से बनने वाला एक प्रकार का शंकर राग।

**स्वराष्ट्र** पुं. (तत्.) 1. अपना राष्ट्र या राज्य 2. सुराष्ट्र नामक प्राचीन देश 3. पुराणानुसार तामस मनु के पिता जो सार्वभौम राजा थे वि. जिसका संबंध अपने ही राष्ट्र से हो जैसे- स्वराष्ट्र मंत्री।

**स्वराष्ट्रमंत्री** पुं. (तत्.) किसी देश की शासन व्यवस्था में मंत्रिमंडल का वह सदस्य जिसके अंतर्गत राष्ट्र की आंतरिक व्यवस्था और सुरक्षा का पूर्णरूपेण उत्तरदायित्व हो।

**स्वरित** वि. (तत्.) 1. जो स्वर वर्ण से युक्त हो 2. जो स्पष्ट रूप से सुने जाने योग्य हो 3. जिसमें केवल 'स्वर' ही गूँज रहा हो, स्पष्ट उच्चारण न हो पुं. व्या. उच्चारण की दृष्टि से स्वर के तीन प्रकारों (उदात्त, अनुदात्त, स्वरित) में से वह स्वर जो न बहुत ऊँचा हो और न बहुत नीचा, समभाग से होने वाला उच्चारण, स्वरित।

**स्वरितत्व** पुं. (तत्.) स्वरित स्वर का गुण, धर्म या भाव।

**स्वरु** पुं. (तत्.) 1. वज्र 2. सूर्य की रश्मि 3. यज्ञ 4. बाण 5. एक तरह का बिच्छू।

**स्वरुचि** स्त्री. (तत्.) अपनी रुचि वि. अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने वाला, मनमौजी।

**स्वरूप** पुं. (तत्.) 1. जिस रूप में उपस्थित हुआ हो वह रूप 2. किसी वस्तु, व्यक्ति, विषय आदि का वह आकार जो पूर्णतया प्राकृतिक होता है, आकृति, रूप, शकल 3. प्राकृतिक रूप के आधार पर बना चित्र या मूर्ति 4. लीला, नाटक आदि में

धारण किया गया कोई वास्तविक रूप जैसे- राम, सीता का स्वरूप 5. विद्वान् 6. आत्मा 7. प्रकृति वि. सुंदर तौर या रूप में जैसे- उदाहरण स्वरूप आदि।

**स्वरूपगत** वि. (तत्.) स्वरूप का, स्वरूप से संबंधित।

**स्वरूपज्ञ** पुं. (तत्.) जो आत्मा और परमात्मा के वास्तविक स्वरूप का ज्ञाता हो, तत्त्वज्ञ।

**स्वरूपता** स्त्री. (तत्.) स्वरूप का गुण या भाव।

**स्वरूपदया** स्त्री. (तत्.) जैन धर्मानुसार जीवों के प्रति ऐसी दया जो वास्तविक न होकर केवल इहलोक और परलोक में सुख पाने के लिए लोगों की देखा-देखी की जाय।

**स्वरूप प्रतिष्ठा** स्त्री. (तत्.) व्यक्ति का अपने स्वाभाविक गुणों/सामर्थ्य/कुशलता से युक्त होने की स्थिति।

**स्वरूपमान** वि. (तत्.) जो सुंदर स्वरूप वाला हो, खूबसूरत, दर्शनीय।

**स्वरूपवान** वि. (तत्.) जिसका स्वरूप देखने में आकर्षक और सुंदर हो, खूबसूरत।

**स्वरूपसंबंध** पुं. (तत्.) वह संबंध जो किसी से उसके अपने स्वरूप के सदृश होने की संभावना में माना जाता है।

**स्वरूपसिद्ध** वि. (तत्.) 1. जो स्वयं अपने स्वरूप से ही सिद्ध हो 2. जिसे सिद्ध करने के लिए किसी अन्य तथ्य की अपेक्षा न हो।

**स्वरूपाभास** पुं. (तत्.) वास्तविक स्वरूप न होने पर भी उसका आभास होने की स्थिति।

**स्वरूपासिद्ध** वि. (तत्.) 1. जो स्वयं अपने स्वरूप से ही सिद्ध न होता हो 2. जो कभी सिद्ध न हो सके।

**स्वरूपी** वि. (तत्.) 1. स्वरूप वाला 2. जिसने किसी के स्वरूप को अपना बना लिया हो।

**स्वरूपोपनिषद्** स्त्री. (तत्.) एक उपनिषद् का नाम।